^ ॥ *श्री हनुमान चालीसा Lyrics* ॥ ^

^ ॥Hanuman Chalisa lyrics॥ ^

॥ दोहा॥
श्रीगुरु चरन सरोज रज
निज मनु मुकुरु सुधारि ।
बरनउँ रघुबर बिमल जसु
जो दायकु फल चारि ॥बुद्धिहीन तनु जानिके
सुमिरौं पवन-कुमार ।
बल बुधि बिद्या देहु मोहिं
हरहु कलेस बिकार ॥

॥ चौपाई ॥
जय हनुमान ज्ञान गुन सागर ।
जय कपीस तिहुँ लोक उजागर ॥

राम दूत अतुलित बल धामा ।
-अंजनि पुत्र पवनसुत नामा ॥

महाबीर बिक्रम बजरंगी ।
-कुमति निवार सुमति के संगी ॥

कंचन बरन बिराज सुबेसा ।
-कानन कुण्डल कुँचित केसा ॥४

हाथ बज्र अरु ध्वजा बिराजै ।
-काँधे मूँज जनेउ साजै ॥

शंकर स्वयं/सुवन केसरी नंदन ।
-तेज प्रताप महा जगवंदन ॥

बिद्यावान गुनी अति चातुर ।
-राम काज करिबे को आतुर ॥

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया ।
-राम लखन सीता मन बसिया ॥८

सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा ।
-बिकट रूप धरि लंक जरावा ॥

भीम रूप धरि असुर सँहारे ।
-रामचन्द्र के काज सँवारे ॥

HINDIBHAKTI.IN

लाय सजीवन लखन जियाए ।
-श्री रघुबीर हरषि उर लाये ॥

रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई ।
-तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई ॥१२

सहस बदन तुम्हरो जस गावैं ।
-अस कहि श्रीपति कण्ठ लगावैं ॥

सनकादिक ब्रह्मादि मुनीसा ।
-नारद सारद सहित अहीसा ॥

जम कुबेर दिगपाल जहाँ ते ।
-कबि कोबिद कहि सके कहाँ ते ॥

तुम उपकार सुग्रीवहिं कीह्वा ।
-राम मिलाय राज पद दीह्वा ॥१६

तुम्हरो मंत्र बिभीषण माना ।
-लंकेश्वर भए सब जग जाना ॥

जुग सहस्त्र जोजन पर भानु ।
-लील्यो ताहि मधुर फल जानू ॥

प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं ।
-जलधि लाँघि गये अचरज नाहीं ॥

दुर्गम काज जगत के जेते ।
-सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते ॥२०

राम दुआरे तुम रखवारे ।
-होत न आज्ञा बिनु पैसारे ॥

सब सुख लहै तुम्हारी सरना ।
-तुम रक्षक काहू को डरना ॥

आपन तेज सम्हारो आपै ।
-तीनों लोक हाँक तै काँपै ॥

भूत पिशाच निकट नहिं आवै ।
-महावीर जब नाम सुनावै ॥२४

नासै रोग हरै सब पीरा ।
-जपत निरंतर हनुमत बीरा ॥

HINDIBHAKTI.IN

संकट तै हनुमान छुडावै ।
-मन क्रम बचन ध्यान जो लावै ॥

सब पर राम तपस्वी राजा ।
-तिनके काज सकल तुम साजा ॥

और मनोरथ जो कोई लावै ।
-सोई अमित जीवन फल पावै ॥२८

चारों जुग परताप तुम्हारा ।
-है परसिद्ध जगत उजियारा ॥

साधु सन्त के तुम रखवारे ।
-असुर निकंदन राम दुलारे ॥

अष्ट सिद्धि नौ निधि के दाता ।
-अस बर दीन जानकी माता ॥

राम रसायन तुम्हरे पासा ।
-सदा रहो रघुपति के दासा ॥३२

तुम्हरे भजन राम को पावै ।
-जनम जनम के दुख बिसरावै ॥

अंतकाल रघुवरपुर जाई ।
-जहाँ जन्म हरिभक्त कहाई ॥

और देवता चित्त ना धरई ।
-हनुमत सेइ सर्ब सुख करई ॥

संकट कटै मिटै सब पीरा ।
-जो सुमिरै हनुमत बलबीरा ॥३६

जै जै जै हनुमान गोसाईं ।
-कृपा करहु गुरुदेव की नाईं ॥

जो सत बार पाठ कर कोई ।
-छूटहि बंदि महा सुख होई ॥

जो यह पढ़ै हनुमान चालीसा ।
-होय सिद्धि साखी गौरीसा ॥

तुलसीदास सदा हरि चेरा ।
-कीजै नाथ हृदय मह डेरा ॥४०

HINDIBHAKTI.IN

॥ दोहा ॥

पवन तनय संकट हरन,
-मंगल मूरति रूप ।
राम लखन सीता सहित,
-हृदय बसहु सुर भूप ॥

If you have any query then you can contact our website:

यदि आपका कोई प्रश्न है तो आप हमारी वेबसाइट से संपर्क कर सकते हैं:

HINDUBHAKTI.IN

HINDIBHAKTI.IN